

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

प्रशांत किशोर का बड़ा बयान : चिराग पासवान से गठबंधन नहीं, जनता के साथ है पूरा फोकस

Publisher

Published on 08 Oct 2025



बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के सामने आने के साथ ही राजनीतिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। इसी बीच प्रशांत किशोर ने एक बड़ा बयान देकर सभी को स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि वह चिराग पासवान की पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगे और उनका पूरा फोकस केवल और केवल बिहार की जनता पर है।

हाल के दिनों में मीडिया और राजनीतिक सूत्रों में यह चर्चा चल रही थी कि प्रशांत किशोर चिराग पासवान के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ मिलकर बिहार चुनाव में गठबंधन कर सकते हैं। इस खबर ने चुनावी परिदृश्य को लेकर कई अटकलें और विश्लेषण जन्म दिए। हालांकि, प्रशांत किशोर ने इस अफवाह को खारिज करते हुए साफ किया कि उनका गठबंधन जनता के साथ है, न कि किसी राजनीतिक पार्टी के साथ।

प्रशांत किशोर ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उनकी प्राथमिकता हमेशा से बिहार की जनता रही है। उनका कहना है कि राजनीतिक पार्टियों के साथ गठबंधन केवल रणनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, लेकिन उनके दृष्टिकोण में यह गलत दिशा होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता की उम्मीदों और जरूरतों को ध्यान में रखकर ही चुनावी रणनीति तैयार की जाएगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशांत किशोर का यह बयान बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में कई मायने रखता है। पहले जहां गठबंधन की खबरें राजनीतिक दलों और मतदाताओं के बीच भ्रम पैदा कर रही थीं, वहीं अब उनके बयान से स्पष्ट हो गया है कि जनता के साथ सीधा संवाद और निष्पक्ष चुनावी रणनीति उनके लिए प्राथमिकता है।

प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि बिहार में चुनावी रणनीति बनाते समय उनकी टीम ने सभी पहलुओं पर विचार किया है। चाहे वह विकास योजनाएं हों, रोजगार के अवसर हों या सामाजिक कल्याण के मुद्दे, सभी को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति तैयार की जा रही है। उनका कहना है कि जनता की आवाज़ को सर्वोपरि रखना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

राजनीतिक विश्लेषक यह भी मानते हैं कि प्रशांत किशोर का यह दृष्टिकोण उनके चुनावी दृष्टिकोण की पारदर्शिता को दर्शाता है। जनता के साथ गठबंधन का मतलब है कि वह केवल मतदाताओं की समस्याओं और जरूरतों पर ध्यान देंगे, न कि किसी राजनीतिक दल की लाभकारी राजनीति पर। यह दृष्टिकोण उन्हें चुनाव में अलग पहचान दिला सकता है।

प्रशांत किशोर के बयान के बाद बिहार के राजनीतिक दलों और नेताओं में हलचल देखी जा रही है। कई राजनीतिक दलों ने उनकी स्पष्टता की सराहना की है, जबकि कुछ ने इसे चुनावी रणनीति के रूप में देखा है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बयान चुनावी खेल को नया मोड़ दे सकता है और मतदाताओं के फैसले पर असर डाल सकता है।

इस बयान से यह भी स्पष्ट हुआ कि प्रशांत किशोर बिहार में राजनीतिक दलों के प्रभाव से ज्यादा जनता की अपेक्षाओं और मांगों को महत्व देते हैं। उनके इस दृष्टिकोण से यह संदेश जाता है कि चुनाव में जनता की आवाज़ सबसे महत्वपूर्ण होगी और गठबंधन या राजनीतिक समीकरण केवल रणनीतिक स्तर पर देखे जाएंगे।

इसके अलावा, प्रशांत किशोर ने यह भी संकेत दिया कि उनका चुनावी अभियान पूरी तरह से पारदर्शिता और निष्पक्षता पर आधारित होगा। जनता के मुद्दों को सामने रखते हुए ही वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में अपनी रणनीति को आगे बढ़ाएंगे।

कुल मिलाकर, **प्रशांत किशोर** का यह बयान बिहार चुनाव 2025 में राजनीतिक समीकरण को स्पष्ट करता है। उन्होंने चिराग पासवान के साथ गठबंधन की अफवाहों को खारिज करते हुए यह संदेश दिया कि उनका फोकस सिर्फ और सिर्फ जनता पर है। यह दृष्टिकोण न केवल उनके चुनावी दृष्टिकोण की पारदर्शिता को दर्शाता है, बल्कि जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है।

बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर का यह कदम भविष्य में चुनावी रणनीति और गठबंधन की दिशा को प्रभावित कर सकता है। उनके बयान से यह साफ हो गया है कि उनका मुख्य उद्देश्य जनता के मुद्दों का समाधान और उनके साथ सीधा संवाद है, न कि राजनीतिक दलों के साथ गठबंधन करना।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.